

**अधिविल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.**



परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : कृथक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

- सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।  
2) कुल पाँच प्रश्न हल करें।  
3) सभी प्रश्न के अंक 1 समान हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें।  $(5 \times 4 = 20)$

- (1) तीनताल मे प्रिमलू।
- (2) एकताल मे साधा परन।
- (3) रूपक मे चक्रदार परन।
- (4) झपताल मे फरमाईशी।

प्र. 2 रिक्त स्थानो की पूर्ति करें। (20)

1. काश्मिर का लोकनृत्य ----- है।
2. संथल यह ----- प्राँत का लोकनृत्य है।
3. एकताल के ----- खंड हैं।
4. अंगो को जोड़ने वाले अवयवो को ----- कहते हैं।
5. अंगो के छोटे-छोटे अवयवो को ----- कहते हैं।
6. दमदार तिहाई मे तीनो पल्लो मे ----- अंतर होता है।
7. लास्य के ----- प्रकार होते हैं।
8. ताण्डव के ----- प्रकार होते हैं।
9. झांझ, नगाडा, ताशा मे सम्पेलित होनेवाले तोडे को ----- कहते हैं।
10. ----- याने प्रवेश करना कहलाता है।
11. दोनो हाथो की पताका मुद्रा बनाकर उन्हे स्वस्तिक आकार मे रख दिया जाए तो उसे ----- हस्त मुद्रा कहते हैं।

(1)

12. सारी उंगलियों को फैलाकर एक दुसरे में गुथने को -----  
-- हस्त कहते हैं।
13. दोनों हाथों की सुची मुद्रा बनाकर एक दुसरे में तर्जनी गुथने से --  
----- मुद्रा निर्मित होती है।
14. दृष्टी निची अवस्था में होने से ----- दृष्टी दर्शाई  
जाती है।
15. साची दृष्टी में आँखों को ----- से देखा जाता है।
16. गर्दन को साँप की चाल की तरह चलाने को -----  
ग्रीवा कहते हैं।
17. भृकुटी निचे की ओर झुकी हुई हो तो उसे -----  
भृकुटी कहते हैं।
18. सहज भृकुटी में भौं की अवस्था ----- मानी जाती है।
19. कथक नृत्य में ----- वेशभूषाये मानी जाती है।
20. कथक नृत्य का पहला नाम ----- हुआ करता था।

(20)

प्र. 3 उचित जोड़ी बनाये।

- |                       |                      |
|-----------------------|----------------------|
| 1. तिरश्चिना          | (a) आमद्             |
| 2. उत्क्षेप           | (b) चतुर्स्र जाती    |
| 3. संध्या             | (c) पंजाब            |
| 4. विषम               | (d) गुजरात           |
| 5. खटवा               | (e) राजस्थान         |
| 6. तमाशा              | (f) तांडव            |
| 7. घुमर               | (g) बनारस धराना      |
| 8. गरबा               | (h) जयपुर धराना      |
| 9. भांगडा             | (i) तिस्र जाती       |
| 10. गदिगन             | (j) लास्य            |
| 11. ताथै त् त् त् तथे | (k) आंध्रप्रदेश (AP) |
| 12. पताका             | (l) केरल             |
| 13. डोला              | (m) भौं संचालन       |
| 14. ठाह               | (n) असंयुक्त हस्त    |

(2)

- |                      |                   |
|----------------------|-------------------|
| 15. पं कालिका प्रसाद | (o) संयुक्त हस्त  |
| 16. पं हनुमान प्रसाद | (p) लय            |
| 17. तक्क तकिट        | (q) महाराष्ट्र    |
| 18. अंग              | (r) मुद्रा नं. 22 |
| 19. कथथकली           | (s) ग्रीवा भेद    |
| 20. कुचिपूड़ी        | (t) शिर           |

प्र. 4 सही (✓) या गलत (✗) लिखे। (20)

1. अभिनय दर्पणानुसार नृत् हस्त 28 होते हैं।
2. झपताल में सात मात्राएँ होती हैं।
3. दादरा ताल में छः (6) मात्रा नहीं होती है।
4. पं भातखंडे लिपिनुसार मात्रा का चिन्ह (आधा चाँद होता है।)
5. रेचित दृष्टि भेद का प्रकार है।
6. बनारस कथक नृत्य का एक घराना है।
7. उत्क्षिप्त यह भौ संचलन है।
8. चेहरे के उपांग बारा नहीं होते हैं।
9. तिहाई के प्रमुख चार प्रकार होते हैं।
10. अभिनय के चार प्रकार नहीं होते हैं।
11. छेडछाडगतविकास नहीं गतभाव है।
12. लास्य के दो ही प्रकार हैं।
13. आंगिक ग्रीवा भेद है।
14. तिरश्चिना ग्रीवा भेद है।
15. त्रिशुल असंयुक्त हस्तमुद्रा है।
16. पं. शंभू महाराज जयपूर घराने के नर्तक थे।
17. बिआड़ी लय याने सब्वा पट लय।
18. कुआड़ी लय याने पोने दो पट लय।
19. होरी नृत्य भगवान शंकर पर आधारित होता है।
20. अभिनय दर्पण के रचियता भरत मूनी है।

**प्र. 5 एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (20)**

1. पिछे झुके हये सिर को क्या कहते हैं।
2. ग्रीवा को दाहीने तरफ से बायी और बायी तरफ से दाहीने ओर अर्ध चंद्राकृती घुमाने को क्या कहते हैं।
3. तीन ताल में खाली कहाँ होती है।
4. इस वर्ष की गतभाव प्रस्तुती का नाम बताये।
5. विषपान करने के लिए कौनसी मुद्रा की जाती है।
6. भरतनाट्यम् किस प्रांत का शास्त्रीय नृत्य है।
7. हिन्दि दिखाने हेतु कौनसी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है।
8. मटकी उठाना क्या कहलाता है।
9. भौंहो को फैलाने से कौन सी भृकुटी बनती है।
10. शर्करी जेमिनिस कौन सा नृत्य प्रकार प्रस्तुत करती है।
11. अठगूण लय का आवर्तन कितनी बार प्रस्तूत करते हैं।
12. केवल एक ही भौंहो को उपर उठाना क्या कहलाता है।
13. पं. भातखंडे लिपिनुसार सम का चिन्ह क्या होगा।
14. खटवा कौन सी मुद्रा प्रकार है।
15. त्रिशुल कौन सी हस्तमुद्रा है।
16. घुंघट निकालने के लिए कौनसी मुद्रा का प्रयोग होता है।
17. आड़ी लय याने कितनी पट।
18. पं. अच्छन महाराज जी के पिता का नाम क्या था।
19. स्वात्विक किसका प्रकार है।
20. पं. शंभू महाराज जी की मृत्यु कब हुई।

**प्र. 6 बहुविकल्पिय प्रश्न (प्रश्न का सही उत्तर दिये हुए पर्यायों में से लिखें।) (20)**

1. लखनौ घराने के प्रथम प्रवर्तक कौन थे।  
(i) मानसिंहजी      (ii) खडगजी  
(iii) ईश्वरीप्रसाद    (iv) तुलारामजी
2. बनारस घराने के प्रथम प्रवर्तक कौन थे।  
(i) हुकूमराम      (ii) पूर्णलाल  
(iii) दुल्हाराम      (iv) जानकी प्रसाद

3. अभिनय के कितने भेद हैं।  
(i) चार (ii) दो  
(iii) तीन (iv) एक

4. नेपथ्य का उपयोग करने वाले अभिनय को क्या कहते हैं।  
(i) वाचिक (ii) आहार्य  
(iii) स्वात्विक (iv) आंगिक

5. राज दिखाने के लिये किस मुद्रा का उपयोग किया जाता है।  
(i) भेरुप्ड (ii) खटवा  
(iii) सम्पूट (iv) पाश

6. गणेश परन मे किस भगवान की स्तुती दर्शाई जाती है।  
(i) गणेश (ii) शिव  
(iii) कृष्ण (iv) राम

7. भरतनाट्यम् नृत्य मे कितने वस्तुक्रम होते हैं।  
(i) दो (ii) पाँच  
(iii) सात (iv) आठ

8. भरतनाट्यम् मे देवदासी के कितने प्रकार होते हैं।  
(i) तीन (ii) दो  
(iii) चार (iv) छः

9. मणिपुरी नृत्य मे रास नृत्य के कितने प्रकार हैं।  
(i) चार (ii) तीन  
(iii) दो (iv) पाँच

10. अभिनव दर्पण अनुसार ग्रीवा भेद संख्या मे कितने हैं।  
(i) आठ (ii) नऊ  
(iii) सोला (iv) चार

11. अध्युनिक नृत्य के जनक कौन है।  
(i) पं. कृष्ण कुमार (ii) पं. गोपाल  
(iii) पं. भानुजी (iv) पं.उदयशंकर

12. आँचल यह क्या है।  
(i) गतभाव (ii) रस  
(iii) गतनिकास (iv) प्रिमलू

प्र. 7 कथ्थक नृत्य के अध्ययन की शारीरिक, मानसिक, और (20) बौद्धिक उपयोगिता समझाई।

प्र. 8 तीनताल के ठेके की पौनी, कुआडी  $1/1/14$ , आडी  $11/2$  व बिआडी  $11/4$  लय लिपिबद्ध करें (20)

- प्र. 9 परिभाषा लिखे। (उदाहरण सहित)
1. प्रिमलू
  2. नटवरी तोडा
  3. गिनती की तिहाई
  4. थाट

(20)

- प्र. 10 संक्षिप्त जानकारी लिखे। (कोई 2)
1. अभिनय तथा उसके प्रकार।
  2. भूकुटी तथा ग्रीवा भेद।
  3. पं. जयलाल महाराज।

(20)

(7)